











# सम्पादकीय

वैचारिक दृष्टि दोष  
से पीड़ित शिवराज  
पाटिल, ऐसे ज्ञान  
को क्या कहा जाए

पतंजलि ने 'महाभाष्य' में शब्द अनुशासन समझाया है कि एक ही शब्द ग्राम्य में भिन्न-भिन्न रूप पर बैठकर भिन्न अर्थ देता है। यास्क ने 'निरुक्त' में सही अर्थ के लिए इतिहास परंपरा व तर्क को अपनाने का सुझाव दिया है, लेकिन कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शिवराज पाटिल ने बिना किसी आधार के इस्तमाम की बहुचर्चित धारणा 'जिहाद' के गीत में भी होने का दावा किया है। उन्होंने कहा कि 'जिहाद का अवधारणा न केवल इस्लाम में है, बल्कि भगवद्गीता और ईसायित में भी थी। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने उनकी टिप्पणी को खारिज किया है। पाटिल के वक्तव्य को लेकर पूरे देश में रोष है। भाजपा हमलातर है। गीत दर्शन ग्रंथ है। यह अर्जुन के प्रश्नों और श्रीकृष्ण के उत्तरों का ज्ञान संग्रह है। भारतीय ज्ञान परंपरा तर्क और प्रश्नों से संपन्न है। गीता में मानने पर कोई जोर नहीं। इसमें योग है, ज्ञान है, भक्ति है, संख्या है, वेदांत है। अंत में स्वविकेत के अनुसार कर्म स्वातंत्र्य। श्रीकृष्ण ने अंत में कहा, 'मैंने तुम्हें यह ज्ञान बताया है। इस पर पूरी तरह विचार करो, फिर जो इच्छा हो, वह करो। दुनिया के किसी भी पंथ-मजहब में ऐसा कर्म स्वातंत्र्य नहीं है। जिहाद बहुचर्चित शब्द है। इसका सामान्य अर्थ दीन (मजहब) से इन्कार करने वाले लोगों से लड़ना है। कुरान के अनुवादक मो. फाराख खां व डा. मुहम्मद अहमद ने परिभाषिक शब्दावली में जिहाद को परिभाषित किया है, 'जानतोड़ कौशिश, ध्येय की सिद्धि के लिए संपूर्ण शक्ति लगा देना।' युद्ध के लिए कुरान में 'किताल' शब्द प्रयुक्त हुआ है। जिहाद का अर्थ किताल के अर्थ से कहीं अधिक विस्तृत है। जो व्यक्ति सत्य-धर्म के लिए अपने धन, लेखनी और वाणी आदि से प्रयतन्त्रील हो। इसके लिए स्वयं को थकाता हो, वह जिहाद ही कर रहा है। धर्म के लिए युद्ध भी करना पड़ सकता है। उसके लिए प्राणों का बलिदान भी किया जा सकता है। यह भी जिहाद का एक अंग है। जिहाद को उसी समय इस्लामी जिहाद कहा जाएगा, जबकि वह अल्लाह के लिए हो। अल्लाह के नाम और उसके धर्म मजहब की प्रतिष्ठि के लिए हो, न कि धन-दौलत की प्राप्ति के लिए हो। जिहाद का मुख्य उद्देश्य है सत्य-मर्ग की रुकावटों को दूर करना, संसार को अल्लाह के अतिरिक्त दूसरों की दासता रुक्खटकारा दिलाना। धर्म के पालन में जो बाधाएं और रुकावटें खड़ी होती हैं, उन्हें दूर करना।' अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जिहाद का अर्थ प्रायः युद्ध से लिया जाता है। इस्लामी विचारधारा जिहाद के लिए प्रियतर करती है। मजहब के लिए युद्ध करते मारे गए लोगों के लिए कुरान का संदेश है, 'जो लोग अल्लाह के मारे पर मारे जाएं, उन्हें मुदा न कहो। बल्कि वे जीवित हैं। तुम्हे अहसास नहीं होता।' इस विचारधारा में दीन से इन्कार करना कुफ़ है और ऐसा करने वाले काफिर। कुफ़, काफिर और जिहाद पर सारी दुनिया ने चर्चा होती है। इस विचारधारा ने युद्ध अनिवार्य है, 'तुम पर युद्ध थोड़ा गया है और वह तुम्हे प्रिय नहीं लगता। बहुत संभव है कि कोई चीज तुम्हे प्रिय हो, लेकिन वह तुम्हारे लिए बुरी है। इसलिए अल्लाह के मार्ग में युद्ध करो। जिन लोगों ने अल्लाह के मार्ग में जिहाद किया वहाँ अल्लाह की दयालुता की आशा रखते हैं। मजहबी राज्य की स्थापना फर्ज है। इतिहासकान यदुनाथ सरकार ने लिखा है कि मुस्लिम शासक का सर्वप्रमुख कर्तव्य कांकिरों के देशों-दारुल हर्ब पर तरह तक जिहाद करना है, जब तक वे इस्लामी राज्य-दारुल इस्लाम न बन जाएं और लोग इस्लाम का राज स्वीकार न कर लें।' दुनिया में राष्ट्रीयता और लोकतंत्र का विकास हो रहा है। इस्लाम और राष्ट्रीयत के रिश्तों पर मौलाना मोदबी की राय है कि 'इस्लाम और राष्ट्रीयत विरोधी है। जहाँ राष्ट्रीयता है, वह इस्लाम का प्रभाव नहीं बढ़ सकता। जहाँ इस्लाम है वहाँ राष्ट्रीयता ने लिए कार्रा जगह नहीं।' भारतीय संविधान निर्माताओं ने संसदीय लोकतंत्र अपनाया है। मौलाना मोदबी का कहना है 'जिन सुधारों को इस्लाम लाना चाहता है, उन्नें लिए सत्ता पर अधिकार जरूरी है। इसलिए दीन की स्थापना के मकसद से शासन तंत्र पर अधिकार करने के लिए संघर्ष की न केवल अनुमति है, बल्कि यह अनिवार्य भी है।'

सकट से उबार लेन का उनका योजनाएं मायने रखती हैं। उनका भारतीय मूल का होना भावनात्मक रूप से भले ही भारत के लिए अहम

## बीते ३ संसारक संसार

**हाथ में कलावा और 10 डाउनिंग स्ट्रीट में एंट्री, पहले भाषण में कृष्ण ऐसे नजर आए ब्रिटिश PM सुनक**

भारतीय मूल के हिंदू प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने ब्रिटेन की सत्ता मंभाल ली है। भले ही वे लिंगा प्रधानमंत्री के रूप में अपना पहला संबोधन देते वक्त उनके हाथ में परिवर्त लाल हिंदू कलाकार शाम



प्रधानमंत्री हो लेकिन उनकी धार्मिक जड़ें अभी भी भारत से जुड़ी ही हैं। कंजर्वेटिव पार्टी के नेता ने न केवल अपना बल्कि भारत का भी मान बढ़ाया है। यूवेंग के पीएम वें रूप में कार्यभार संभालने के दौरान उनकी एक भारतीय होने की छवि भी सामने देखी गई। ऋषि के 10 डाउनिंग स्ट्रीट में प्रवेश करने के दौरान हर एक भारतीय की नजर एक चीज़ पर टीक गई। पहने हुए देखा गया। इससे ये प्रतीत होता है कि सुनक को अपने हिंदू होने पर कितना गर्व है। ऋषि सुनक भाषण के दौरान वहाँ मौजूद लोगों का अभिगादन कर रहे थे और तभी उनके हाथ में कलावा देखा गया। बता दें कि कलावा को हिंदू धर्म में बहुत ही परित्र माना जाता है। हिंदू धर्म के अनुसार, हाथ में कलावा बाधना एक रक्षा सूत्र की तरह काम करता है और ये दर्शनीता है भी इतिहास रच दिया है। वह पहले हिंदू प्रधानमंत्री के साथ-साथ सबसे कम उम्र के प्रधानमंत्री भी बन गए हैं। मंगलवार को वह किंग चार्ल्स से मिले और शपथ ली। सुनक ने अपने भाषण में कहा कि उनकी सरकार हर स्तर पर सत्यनिष्ठा, व्यावसायिकता और जवाबदेही होगी। ऋषि सुनक ने हमेशा भारतीय होने की पहचान पेश की। 2017 के आम चुनावों के बाद, सुनक ने

**राजनीतिक और आर्थिक मोर्चे पर कितने कामयाब होंगे ऋषि सुनक**

हा, लाकन सब जानत है कि भारतवर्षी होने से पहले ऋषि अपने देश और अपनी जनता के लिए सबसे बड़े भरोसे और उम्मीद का काशशक्ति अभी तक नाकाम साबित हो रही है, साथ ही उपभोक्ताओं को बढ़ती लागत और गिरती आय का सामना करना पड़ रहा है, क्या

लगा या विपक्षा पाठ्य-का के उन्ह साथ मिल पाएगा लिज ट्रस का ही उदाहरण देख लें। उन्होंने बेशक 44 दिनों में हार मान ली हो, अपने था याकूब अपना हार पाठा कलिगा के विरोध ने उन्हें टिकने नहीं दिया सबसे बड़ा उदाहरण बोरिस जॉनसन का ही देख लीजिए, दत हा, लाकन ब्रिटन का नियम सत के इस संक्रमण काल का दुनिया देख रही है। पेनी मार्ड हौं, जॉनसन हों या लिज ट्रस- इन सभी नेताओं



वादा को पूरा कर पान में खुद का  
अक्षम बताकर इस्तीफा दे दिया है।  
लेकिन क्या इसके पीछे सिर्फ टैक्स  
कटौती या उनके कुछ सख्त फैसले

**बीते ३ सालों में कश्मीर में लोकतंत्र हुआ सशक्त, स्थानीय नेताओं ने यूरोपीय सांसदों को बताए जमीनी हालात**

जम्मू-कश्मीर में मोदी सरकार ने जो कड़े कदम उठाए, उनका प्रभाव नजर आने लगा है। पट्टरबाजी से लेकर आतंकवाद तक में पिछले कछ साठों कमी देखने को मिली है। घटी मैं हुए बदलावों की कश्मीरी राजनेताओं ने यूरोपीय संसदों को जानकारी दी, जो जम्मू-कश्मीर में पिछले तीन वर्षों में देखे जा रहे हैं।

अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी चर्चा का विषय रहा है। पाकिस्तान कई बार इस मुद्दे को अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर उठा चुका है। पाकिस्तान समर्थित आतंकी कश्मीरी की शांति को भंग करते रहे हैं, इसके पुख्ता सबूत कई बार भारत पेश कर चुका है। हालांकि, पिछले कुछ वर्षों में आम नागरिकों के जीवन में सकारात्मक

भीर संघर्ष से पिछले काफी समय ने जूँझ रहा है। हालांकि, पिछले दो वर्षों में कई बड़े बदलाव देखने को मिले। इस दौरान तीन-स्तरीय गणाली के माध्यम से स्थानीय आसन में सुधार हुआ है। ये सब कारण नई राजनीतिक इच्छा शक्ति के कारण संभव हो पाया है। अफीना ने कहा, 'ये बेहद दख की



ता दें कि लगभग तीन साल पहले अमू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 को टाया गया था, जिसके बाद काफी दलाव देखने को मिले हैं। रअसल, कश्मीर घटी के एक तिनिधिमंडल ने मुख्य रूप से हिलाओं और लड़कियों को सशक्ति नाने के लिए यूरोपीय संस्थानों परा आयोजित 'लैगिक समानता' प्रत्याह' के दौरान यूरोपीय संसद में ईपीपी राजनीतिक समूह द्वारा आयोजित 'कश्मीर में ग्रास्सरूट्स मोकेसी, ए रोड टू डेमोक्रेटिक स्पावरमेंट' नामक सम्मेलन में आग लिया। इस सम्मेलन में वास्तौर पर संघर्ष से जूझ रहे बातों के लोगों को शामिल किया गया था। कश्मीर का मुद्दा पिछले

बदलाव लाने के लिए जमीनी स्तर पर कुछ अभूतपूर्व परिवर्तन किए गए हैं। इनमें से एक है अनुच्छेद 370 का हटना। इसके सकारात्मक प्रभाव देखने को मिल रहे हैं। एम्पीयी डेनिएला रोडिनेली ने कश्मीरी प्रतिनिधिमंडल का स्वागत करते हुए शांति और संवाद स्थापित करने के लिए युवाओं और महिला नेताओं के प्रयासों का उल्लेख किया। उन्होंने भावी पीढ़ियों के लिए एक उज्ज्वल भविष्य के निर्माण के साथ-साथ शांति बनाए रखने के लिए यूरोपीय संघ के साथ मिलकर काम करने की आवश्यकता का उल्लेख करते हुए बहस शुरू की। इस दौरान कश्मीर में जिला विकास परिषद की अध्यक्ष सफीना बोग ने बताया

तात है कि घाटी के लोगों को सशक्त ननाने के उद्देश्य से की गई। इस मुख पहल को लंबे समय से एक तत्त्व संघर्ष कथा रूप में देखा गया है। हालांकि, इस दौरान जवाबदेह, भावी और पारदर्शी शासन को विधानसभा बनाने के इमानदार यासों पर किसी का ध्यान नहीं आ रहा है।' उन्होंने आगे कहा, 'इस सक्षम परिवर्तन के पीछे कारण युवा नेतृत्व है, जिसे जनता द्वारा पारी समर्थन दिया गया है। यह युवा नेतृत्व स्थिर और सार्थक शोकतांत्रिक विकास के माध्यम से नकारात्मक शांति बनाने के लिए भास्तु लोगों की आकांक्षाओं का अनिनिधित्व करता है। वे कई युनौतीपूर्ण परिस्थितियों का सामना

के लिए अच्छा होगा।' कश्मीर :  
एक मानवाधिकार कार्यकर्ता मी  
जुनैद भी सम्मेलन में शामिल हु  
और उन्होंने कहा कि तमाम  
चुनौतियों के बावजूद हम बढ़ रहे  
हैं और हम एक साथ आ रहे  
और सीमा पार से आतंक के खत  
के बावजूद खड़े हो रहे हैं। उन्होंने  
कहा, 'हम जो चाहते हैं वह  
स्थिरता की हमारी यात्रा में दुनिया  
से समर्थन है। हमारा एकमात्र  
दुश्मन आतंकवाद है और दुनिया  
को यह नहीं भूलना चाहिए विनाश  
आतंकवाद कहीं भी पूरी मानवता  
के लिए खतरा है और इसे किसी  
भी कीमत पर अस्तित्व की अनुमति  
नहीं दी जानी चाहिए। मोदी सरकार  
के आने के बाद जम्मू-कश्मीर

थ या फिर अपना हा पाटा क लगा के विरोध ने उन्हें टिकने नहीं दिया सबसे बड़ा उदाहरण बोरिस जॉनसन का ही देख लीजिए, आखिर क्यों जॉनसन ने हाथ पीछे खींच लिए या पद छोड़ने को मजबूर हो गए दरअसल इस वक्त ब्रिटेन की सबसे बड़ी दिक्कत वहां की सत्ताधारी कंजरवेटिव पार्टी के भीतर चल रही गुटबाजी है। यह पिछले कुछ सालों में साफ हो गया है। इतनी जल्दी जल्दी यानी महज कुछ ही महीने में ब्रिटेन ने तीन प्रधानमंत्री देख लिए और अगर दोवेंदारों की फेहरिस्त देख लें, तो पार्टी का नेतृत्व और देश संभालने का सपना देखने वाले हर बार आपको दो-चार तो मिल ही जाते हैं, भले ही तकनीकी कारणों से वो पीछे रह जाते हों या रास्ता छोड़ दत हा, लाकन ब्रिटेन का सायासत के इस संक्रमण काल का दुनिया देख रही है। पेनी मार्ड हॉ, जॉनसन हों या लिज ट्रस- इन सभी नेताओं के अपने अपने माजबूत गुट हैं, जो ऋषि सुनक को नाकाम साबित करने में कोई कसर नहीं छोड़ते। जॉनसन समर्थकों की नजर में ऋषि ने जॉनसन के साथ धोखा किया है और उनकी सरकार में रहते हुए भी उन्हें हटाकर खुद प्रधानमंत्री बनने की कोशिश में लगे रहे, लिज ट्रस का भी उन्होंने सबसे पहले विरोध किया और उनकी नीतियों की खुलकर खिलाफ़त की। जानकारों के मुताबिक ऐसे में ये तमाम नेता सुनक को किसी भी हाल में कामयाब होने से रोकने की कोशिश करेंगे।

A photograph showing a cyclist from behind, wearing a white shirt and a yellow safety vest, riding a bicycle through a dark, rainy environment. The scene is heavily obscured by rain and mist, with only a bright orange light visible in the distance.

कटाइ के गणना वह समस्या बढ़ा  
खेतों में ज्यादा उभरी है, क्योंकि  
मशीनें फसलों के लंबे ठंडे खेतों  
में छोड़ देती हैं। जब हाथों से  
फसल कटाई होती है, तो उन्हें  
जमीन के पास तक काटा जा-  
सकता है। भारत में राष्ट्रीय फसल  
अवशेष प्रबंधन एनपीएसीआर  
2014 की नीति अस्तित्व में है,  
फिर भी सारे जागरूकता कार्यक्रमें  
व प्रतिबंध, दंड या प्रोत्साहन के  
सरकारी उपायों व अपीलों के  
बावजूद फसल अवशेषों को जलने  
की घटनाएं जारी हैं। किसान अब  
दक्षिण भारत में भी पराली को खेत  
में ही जला रहे हैं। राष्ट्रीय  
राजधानी क्षेत्र में वयु प्रदूषण के

शी चिनफिंग के खतरनाक इरादे, चीन से पहले से ही त्रस्त समाजों के लिए बढ़ता खतरा

चीन में आखिर वही हुआ, जिसकी आशंका और अनुमान लगाए जा रहे थे। गत रविवार को चीनी कम्युनिस्ट पार्टी यानी सीपी की 20वीं कांग्रेस अधिवेशन में स्थापित परंपरा को छोड़ दिया गया। इसके बाद चीन में सुरक्षा तंत्र चलता है। इन दो पदों के अलावा शीघ्र पहले से ही राष्ट्रपति पद पर कायम है। उनका कायकाल अभी एक साल और शेष है। इसके साथ ही स्पष्ट हो गया कि शी का अपनी पार्टी की 'साझा



चिनफिंग को लगातार तीसरी बार पांच साल के लिए चीनी कम्युनिस्ट पार्टी का महासचिव घोषित किया गया। यह चीनी शासन व्यवस्था में सबसे बड़े शासक का पद है। उसी दिन उन्हें 'सेंटल मिलिट्री कमीशन' का प्रधान भी घोषित कर दिया गया। चीन में यह प्रधान सेनापति का पद है, जिसके आदेश और इशारों पर चीन का पूरा सैन्य स्थापित करने का कोई इरादा नहीं वह अपनी तानाशाही को और धारा देते हुए चीन को निरंतर आक्रमक रास्ते पर ले जाएंगे। अधिवेशन के पहले दिन ही करीब दो घंटे के भाषण में आक्रमक भाषा और इरादों से उन्होंने इसके स्पष्ट संकेत दे दिये। इसके बाद भी किसी को कोई गलतफहमी रह गई थी तो उसे भी उन्होंने अधिवेशन समाप्ति के बात

## संक्षिप्त समाचार

अमेरिका में घने कोहरे के कारण हुए हावसे में आंध प्रदेश और तेलंगाना के तीन छात्रों की मौत

(आधुनिक समाचार सेवा)

हैदराबाद। अमेरिका में तेलुगु राज्य तेलंगाना और आंध प्रदेश के तीन छात्रों की सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। यह जानकारी उनके परिवर्तों ने दी है। मालवार को अमेरिका के कनेक्टिव राज्य में एक ट्रक और एक मिनी बैन की द्वारा टकर यह दुर्घटना हुई। मृतक के परिजनों ने एक फूली सूचना के अनुसार, मिनी बैन में आठ लोग सवार थे। हावसे में तीन लोगों की मौत पर ही मौत हो गई, जबकि चार अन्य लोगों की मौत नहीं। मृतकों में से दो, जिनमें एक महिला भी शामिल हैं, वे तेलंगाना की राज्यासिकारी वडामी राज्य आंध प्रदेश का था। मृतकों की पहचान प्रेम कुमार रेडी (हैदराबाद), पाणी (वाराणी) और श्री. साहू नरसिंह (पूर्णी गोदावरी) के रूप में हुई हैं। साइं नरसिंह के रिस्टेरों को उनके दोस्त से सूचना मिली कि दुर्घटना क्षेत्र में घन कोहरे के कारण स्थानीय स्थान में सुखर 5 से 7 बढ़े के बीच हुई। इसी साल अस्पत में अमेरिका गए साईं नरसिंह एमएस कर रहे थे। चैनी के हिस्टोरियन सनरक की भूमि एक कंपनी की थी। 23 वर्षीय साईं नरसिंह ने बाद में नौकरी छोड़ दी और कनेक्टिव के एक विश्वविद्यालय में एमएस के लिए खुले को नामांकित किया। उनकी मृत्यु के बारे में जनकर उनके माता-पिता हैरान रह गए और दुख जताया। इससे पहले साईं नरसिंह ने परिवर्त के अन्य सरकारों के विवाही की खाली देने के लिए वीडियो काल के जरिए बात की थी। उसी गांव के ईश्वरी भाव्यशाली थे कि दुर्घटना में माध्यमिक का रूप से घायल हो गए। मृतकों के परिवर्तों ने केंद्र और तेलुगु राज्यों की सरकारों से शर्तों का वापस लाने में उनकी मदद करने की अपील की है।

## कोटर थाना क्षेत्र बिहरा क्रमांक 1 में अहीर नृत्य ने सबको लुभाया

(आधुनिक समाचार सेवा)

सतना। कोटर दीपावली की देश भर में धूम रही और हर जगह अपने ही अंदर वे त्वार मनाया जा रहा है। इस बीच अपनी लोकसंस्कृति के लिए बघेलखंड का विक्षित अहीर नृत्य की धूम देखने को मिली। ढोल और नगरिया की थाप पर नाचते लोक कलाकारों ने सबका मन मोह लिया। दिवाली के अगले दिन इस नृत्य के आयोजन की परंपरा है। अहीर नृत्य करने वाले सिर पर मोर पंख बांधे और झालरार मुकुट पीछे वस्त्र पहन होते हैं और अपस में ढोल-नाचों की थाप पर नाचते हैं। भावान कृष्ण की भक्ति का अनूठा



दिवारी गीत शामिल होते हैं। दिवारी नृत्य करने वालों की टोली नृत्य करती है। भारतीय संस्कृति की परंपरा को जीवित रखने में कमी नहीं होने देंगे : रवि प्रताप दीपावली को लेकर जहां देश भर में बैलीलास का माहाल रहा वही

के मंडल प्रभारी रामरूप साकेत व वरिष्ठ कांग्रेस नेता जग्नु शकुर गुलाम भरती वर्ष का आयोजन था। ग्रामीणों ने कहा कि यह परंपरा हजारों सालों से चली आ रही है।

(अमेरिका)

## सिपाही को चाकू मारकर रायफल लूटी

(आधुनिक समाचार सेवा)

सुन्नतनपुर। बदमाश ने सिपाही को चाकू मारकर लूट ली। रायफल सुन्नतनपुर रेलवे ज़खन के प्लेटफार्म ने तीन पर हुई चाकूजाऊं और लूट की घटना। बताया जाता है कि घाल सिपाही के रेलवे पुलिस ने सुन्नतनपुर ज़िला अस्पताल भर्ती कराया है। वही खबर लिखे जाने तक अधिकृत का प्रसार हुआ जाएगा। एसओं जीआरपी नीतोद्धर शकुर ने बताया कि मामले में छानबीन की जा रही है। याध्यल सिपाही का उपचार होगा। इसके बाद कोई अधिक घटना नहीं होनी चाही है।



वहां से फरर हो गए। यह पहली बार नहीं है जब आतंकियों ने पोलियो वैक्सीनेशन टीम की सुरक्षा को हमेशा याद रखते हैं। इसके पहले वे इस तरह की घटनाएं खेद पक्षन्याखा व करारी में हुई हैं। बता दें कि सुरक्षा व्यवस्था की होने से इस तरह वार्षिकी के 22 साल के कार्यकाल को हमेशा याद किया जाएगा। 22 साल बाद वे गांधी परिवर्त का कोई अधिक घटना नहीं होनी चाही है। यह टीम प्रांत के पिशिन एरिया में थी, जब यह

(अमेरिका)



हादसा हुआ। पिशिन डिटी कमिशनर मोहम्मद यासिर ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया, टीम के सदस्यों को किसी तरह की छोट नहीं पहुंची। पुलिसकर्मी को मारने के तुरंत बाद हमलावर

(अमेरिका)

लिए आखिरी मिनट तक कोशिश की गई क्योंकि वे ही मोदी और सरकार को चुनौती दे सकते हैं। गहलोत ने कहा आज एक नई शुरुआत है। हम मलिकार्जुन खड़ों के बधाई देते हैं और पार्टी को मजबूत करने के लिए काम करेंगे। गहलोत ने कहा कि सोनिया गांधी ने 1998 में कांग्रेस के मुखियां लालां में जिम्मेदारी सभानी थी। सोनिया गांधी ने अध्यक्ष बनने के बाद 12-13 राज्यों में सरकार बनाई। दो बार

(अमेरिका)

लिए आखिरी मिनट तक कोशिश की गई क्योंकि वे ही मोदी और सरकार को चुनौती दे सकते हैं। गहलोत ने कहा आज एक नई शुरुआत है। हम मलिकार्जुन खड़ों के बधाई देते हैं और पार्टी को मजबूत करने के लिए काम करेंगे। गहलोत ने कहा कि सोनिया गांधी ने यह मोदी और सरकार को चुनौती दे सकते हैं। खासक देश में जिस तरह माहौल बना हुआ है उस स्थिति में उनकी जिम्मेदारी बड़ी है। गहलोत ने कहा कि राहुल गांधी का कहना था कि एक बार वे गांधी परिवर्त का कोई अधिक घटना नहीं होनी चाही है। एसओं जीआरपी नीतोद्धर शकुर ने बताया कि गहलोत ने कहा कि मलिकार्जुन खड़ों के सामने बहुत बड़ी चुनौती है। खासक देश में जिस तरह माहौल बना हुआ है उस स्थिति में उनकी जिम्मेदारी बड़ी है। गहलोत ने कहा कि राहुल गांधी का कहना था कि एक बार वे गांधी परिवर्त का कोई नेता कांग्रेस अध्यक्ष बने। इसलिए मलिकार्जुन खड़ों को यह मोदी भी कहा जा रहा है। एसओं जीआरपी नीतोद्धर शकुर ने बताया कि गहलोत ने कहा कि मलिकार्जुन खड़ों के सामने बहुत बड़ी चुनौती है। खासक देश में जिस तरह माहौल बना हुआ है उस स्थिति में उनकी जिम्मेदारी बड़ी है। गहलोत ने कहा कि राहुल गांधी का कहना था कि एक बार वे गांधी परिवर्त का कोई नेता कांग्रेस अध्यक्ष बने। इसलिए मलिकार्जुन खड़ों को यह मोदी भी कहा जा रहा है। एसओं जीआरपी नीतोद्धर शकुर ने बताया कि गहलोत ने कहा कि मलिकार्जुन खड़ों के सामने बहुत बड़ी चुनौती है। खासक देश में जिस तरह माहौल बना हुआ है उस स्थिति में उनकी जिम्मेदारी बड़ी है। गहलोत ने कहा कि राहुल गांधी का कहना था कि एक बार वे गांधी परिवर्त का कोई नेता कांग्रेस अध्यक्ष बने। इसलिए मलिकार्जुन खड़ों को यह मोदी भी कहा जा रहा है। एसओं जीआरपी नीतोद्धर शकुर ने बताया कि गहलोत ने कहा कि मलिकार्जुन खड़ों के सामने बहुत बड़ी चुनौती है। खासक देश में जिस तरह माहौल बना हुआ है उस स्थिति में उनकी जिम्मेदारी बड़ी है। गहलोत ने कहा कि राहुल गांधी का कहना था कि एक बार वे गांधी परिवर्त का कोई नेता कांग्रेस अध्यक्ष बने। इसलिए मलिकार्जुन खड़ों को यह मोदी भी कहा जा रहा है। एसओं जीआरपी नीतोद्धर शकुर ने बताया कि गहलोत ने कहा कि मलिकार्जुन खड़ों के सामने बहुत बड़ी चुनौती है। खासक देश में जिस तरह माहौल बना हुआ है उस स्थिति में उनकी जिम्मेदारी बड़ी है। गहलोत ने कहा कि राहुल गांधी का कहना था कि एक बार वे गांधी परिवर्त का कोई नेता कांग्रेस अध्यक्ष बने। इसलिए मलिकार्जुन खड़ों को यह मोदी भी कहा जा रहा है। एसओं जीआरपी नीतोद्धर शकुर ने बताया कि गहलोत ने कहा कि मलिकार्जुन खड़ों के सामने बहुत बड़ी चुनौती है। खासक देश में जिस तरह माहौल बना हुआ है उस स्थिति में उनकी जिम्मेदारी बड़ी है। गहलोत ने कहा कि राहुल गांधी का कहना था कि एक बार वे गांधी परिवर्त का कोई नेता कांग्रेस अध्यक्ष बने। इसलिए मलिकार्जुन खड़ों को यह मोदी भी कहा जा रहा है। एसओं जीआरपी नीतोद्धर शकुर ने बताया कि गहलोत ने कहा कि मलिकार्जुन खड़ों के सामने बहुत बड़ी चुनौती है। खासक देश में जिस तरह माहौल बना हुआ है उस स्थिति में उनकी जिम्मेदारी बड़ी है। गहलोत ने कहा कि राहुल गांधी का कहना था कि एक बार वे गांधी परिवर्त का कोई नेता कांग्रेस अध्यक्ष बने। इसलिए मलिकार्जुन खड़ों को यह मोदी भी कहा जा रहा है। एसओं जीआरपी नीतोद्धर शकुर ने बताया कि गहलोत ने कहा कि मलिकार्जुन खड़ों के सामने बहुत बड़ी चुनौती है। खासक देश में जिस तरह माहौल बना हुआ है उस स्थिति में उनकी जिम्मेदारी बड़ी है। गहलोत ने कहा कि राहुल गांधी का कहना था कि एक बार वे गांधी परिवर्त का कोई नेता कांग्रेस अध्यक्ष बने। इसलिए मलिकार्जुन खड़ों को यह मोदी भी कहा जा रहा है। एसओं जीआरपी नीतोद्धर शकुर ने बताया कि गहलोत ने कहा कि मलिकार्जुन खड़ों के सामने बहुत बड़ी चुनौती है। खासक देश में जिस तरह माहौल बना हुआ है उस स्थिति में उनकी जिम्मेदारी बड़ी है। गहलोत ने कहा कि राहुल गांधी का कहना था कि एक बार वे गांधी परिवर्त का कोई नेता कांग्रेस अध्यक्ष बने। इसलिए मलिकार्जुन खड़ों को यह मोदी भी कहा जा रहा है। एसओं जीआरपी नीतोद्धर शकु

